

परिघाती वि. (तत्.) 1. परिघात करने वाला, हत्यारा, मार डालने वाला 2. उल्लंघन करने वाला 3. नष्ट करने वाला।

परिघृष्ट वि. (तत्.) अत्यंत घर्षित, अच्छी तरह घृष्ट, घिसा हुआ।

परिघृष्टिक पुं. (तत्.) वानप्रस्थ का एक प्रकार।

परिघोष पुं. (तत्.) 1. मेघ गर्जना, बादलों की गड़गड़ाहट 2. शब्द, आवाज, स्वर, कटु शब्द 3. अनुपयुक्त या अनुचित कथन।

परिचना अ.क्रि. (तद्.) दे. परचना।

परिचपल वि. (तत्.) अति चंचल, जो किसी भी समय स्थिर न हो, हर समय गतिमान या हिलते-डुलते रहने वाला।

परिचय पुं. (तत्.) 1. दो व्यक्तियों का एक-दूसरे को जानते-पहचानते हुए मिलना, अभिज्ञता 2. किसी व्यक्ति या वस्तु संबंधी नाम, गुण, कर्म आदि का बयान कर उसके विषय में बताना 3. किसी पुस्तक, रचना या साहित्यिक विधा आदि का अध्ययन करके उसके विषय में प्राप्त होने वाला ज्ञान या जानकारी 4. अपने गुण, धर्म या शक्ति आदि को प्रदर्शित करने की क्रिया या भाव 5. हठयोग में नाद की चार में से तीसरी स्थिति 6. प्रमाण 7. जान-पहचान 8. एकत्रित करना, जमा करना 8. अभ्यास।

परिचय पत्र पुं. (तत्.) किसी के विषय में पूरी जानकारी देने वाला पत्र।

परिचर पुं. (तत्.) 1. सेवक, खिदमतगार 2. रोगी की सेवा करने वाला, सेवक, शुश्रूषाकारी 3. शत्रु के प्रहार से अपनी रक्षा हेतु रथ पर बनाया जाने वाला सैनिक 4. सेनापति 5. दंडनायक 6. आदर, सत्कार, अभ्यर्थना 7. अंगरक्षक सैनिक 8. वि. भ्रमणशील, गतिशील।

परिचरण पुं. (तत्.) 1. सेवा करना, परिचर्या, टहल करना 2. भ्रमण, परिभ्रमण, खिदमत।

परिचरणीय वि. (तत्.) 1. परिचरण के योग्य, भ्रमण के योग्य 2. सेवा के योग्य 3. परिचर्या करना।

परिचरत स्त्री. (तत्.) प्रलय, कयामत।

परिचरिता पुं. (तत्.) सेवा-शुश्रूषा करने वाला, शुश्रूषाकारी।

परिचर्मण्य पुं. (तत्.) चमड़े का बना हुआ फीता।

परिचर्या स्त्री. (तत्.) 1. सेवा, टहल, खिदमत, आव-भगत 2. रोगी की शुश्रूषा, तीमारदारी।

परिचायक वि. (तत्.) 1. परिचय करने वाला, जिसके द्वारा किसी का परिचय प्राप्त होता हो, जान-पहचान कराने वाला 2. सूचित कराने वाला, जताने वाला।

परिचाय्य पुं. (तत्.) 1. यज्ञ की अग्नि 2. यज्ञकुंड 3. लगान में वृद्धि करना, इजाफा करना।

परिचार पुं. (तत्.) 1. सेवा, टहल, खिदमत 2. सेवक 3. घूमने-टहलने के लिए निर्दिष्ट स्थल।

परिचारक पुं. (तत्.) 1. सेवक, नौकर 2. किसी रोगी की सेवा के लिए नियुक्त किया गया व्यक्ति, शुश्रूषाकारी 3. देवमंदिर आदि की सेवा करने वाला व्यक्ति, मंदिर की देखभाल या प्रबंध करने वाला।

परिचारण पुं. (तत्.) 1. सेवा करना, टहल या खिदमत करना 2. सहवास करना, साथ रहना, संग रहना।

परिचारण दल पुं. (तत्.) सेवा करने वालों का समूह।

परिचारना स.क्रि. (तद्.) सेवा करना, खिदमत करना।

परिचारि स्त्री. (तद्.) सेविका, दासी, परिचार करने वाली।

परिचारिक पुं. (तत्.) 1. सेवक, खिदमतगार 2. दे. परिचारक।

परिचारिका स्त्री. (तत्.) सेविका, मजदूरनी, दासी।